Nai Dunia (Indore), 18th February 2011, Metroplus, Page-22

■ कार्यक्रम की थीम सेव टाइगर थी

संस्कृति से रूबरू हुई तकनीक

इंदौर। संस्कृति को बयाँ करती प्रस्तुतियाँ जारी हों और विद्यार्थी हर पल इसका मजा लें। ऐसा तो बहुत ही कम देखने को मिलता है। मगर, गुरुवार को खंडवा रोड स्थित तक्षशिला परिसर के यूसीसी ऑडिटोरियम में ऐसा ही कुछ देखने को मिला। अवसर था भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर के द्वितीय स्थापना दिवस समारोह का। इस अवसर पर संजय महाजन एंड ग्रुप (बड़वाह) ने राजस्थानी, निमाड़ी, मालवी गीतों पर आकर्षक प्रस्तुति दी। अच्छी बात यह थी कि विद्यार्थियों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया, वरना आमतौर पर ऐसे कार्यक्रमों में विद्यार्थी हूटिंग करते ज्यादा नजर आते हैं। विद्यार्थियों ने अपने टी-शर्ट स्लोगन से 'बाघ बचाओ अभियान' का संदेश भी दिया। संचालन सचिन लोढ़े ने किया।

और बना दिया दूल्हा

कार्यक्रम के दौरान कलाकारों द्वारा राजस्थानी गीत मेरा तो ब्याह आया है...की प्रस्तुति दी गई। इसमें संस्थान के ही एक विद्यार्थी को बीच में बैठाकर दूल्हा बनाया गया। छात्र को लगती हल्दी और आसपास नृत्य करती बालिकाओं के इस दृश्य का आनंद सभी ने लिया।

एक-दो नहीं पूरे सात घड़े

कलाकार संजय महाजन ने दो गिलास, कील का पाटा, परात आदि पर नृत्य पेश कर हर किसी को आश्चर्यचकित कर दिया। विशेष बात यह थी कि इन प्रस्तुतियों के दौरान श्री महाजन ने एक-दो नहीं बल्कि एक-एक करके पूरे सात घड़े अपने सिर पर धरकर आकर्षक प्रस्तुति दी। संतुलन के इस आकर्षक नजारे को हर किसी ने बेहतर प्रतिसाद दिया।

अंधविश्वास और बाघ की स्थिति

इसके बाद विद्यार्थियों की ओर से नाटक, नृत्य और कविता पाठ और रॉक बैंड की प्रस्तुतियाँ दी गईं। पहला नाटक जहाँ देश में व्याप्त अंधविश्वास पर चोट करने वाला था तो दूसरा नाटक देश में बाघ की स्थिति को लेकर केंद्रित था। सामाजिक समस्याओं पर चोट करते नाटक विद्यार्थियों ने स्वयं के प्रयासों से तैयार किए। वहीं बॉलीवुड डांस, ग्रुप डांस जैसी विधाओं के लिए प्रशिक्षकों की सहायता भी ली गई थी।

भारत मजबूत हिस्सेदार...!

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर का द्वितीय स्थापना दिवस गुरुवार को मनाया गया। समारोह का शुभारंभ सिमरोल में भूमिपूजन से हुआ।

■ आईआईटी इंदौर का द्वितीय स्थापना दिवस मनाया गया

गौरतलब है कि यहाँ संस्थान का स्थायी परिसर बनना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फ्रांसिस पुजोलस थे। वे फ्रांस में कौंसल जनरल होने के साथ ही मुंबई में इकोनॉमिक मिशन के प्रमुख भी हैं। उन्होंने कहा कि भारत हमारा मजबूत हिस्सेदार है। भारत-फ्रांस कॉर्पोरेशन के माध्यम से हम भारत को ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में सहयोग करेंगे।

इस अवसर पर डॉ. निकोलस और क्रिश्चियन चेट्टन (निदेशक, अलाइंस फ्रेंचाइजी, भोपाल और इंदौर केंद्र) भी मौजूद थे। अतिथि स्वागत डॉ. प्रदीप माथुर (निदेशक, आईआईटी, इंदौर) ने किया। इसके बाद विद्यार्थियों और कलाकारों द्वारा यूसीसी ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए गए।

कैम्पस लाइव

हमेशा खुश रहें

कार्यक्रम में प्रो. पुणतांबेकर ने विद्यार्थियों से कहा कि समय के साथ निश्चित रूप से संसाधन और भी बढ़ेंगे। हर पल का मजा लें। हर स्थिति में कुछ बेहतर करने की कोशिश करें। मैंने भी अपने जीवन में इसी बात का अनुसरण किया है। आज मैं खुश हूँ।

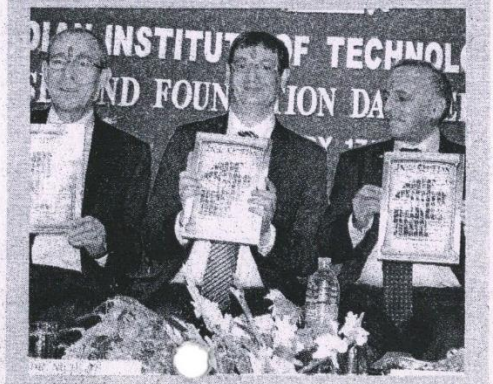

भारतीय युवाओं में क्षमताएँ हैं

'भारतीय युवा प्रतिभा के धनी हैं। इसे साबित करने की क्षमता भी उनमें है। आवश्यकता सिर्फ उनको बेहतर अवसर मुहैया करवाए जाने की है। यह कहना था फ्रांसिस पुजोलस (कौंसल जनरल, फ्रांस एंड हेड ऑफ इकोनॉमिक मिशन इन मुंबई) का। वे गुरुवार को आईआईटी, इंदौर के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान नईदुनिया ने उनसे विशेष बातचीत की'।

■ युवाओं को बेहतर अवसर मुहैया करवाए जाने की जरूरत

फ्रांस में सबसिडी ज्यादा है- श्री पुजोलस ने बताया कि फ्रांस में विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान ज्यादा से ज्यादा सुविधाएँ देने पर ध्यान दिया जाता है। पिछले कुछ समय में भारतीय शिक्षा प्रणाली में भी तेजी से बदलाव देखने को मिला है। वैश्वीकरण के दौर में यह बात निश्चित रूप से युवाओं के लिए फायदेमंद साबित होगी। उन्होंने बताया कि फ्रांस में विद्यार्थियों को शिक्षा में सबसिडी भी दी जाती है। इसका लाभ भारतीय विद्यार्थी भी ले सकते हैं।

उन्होंने बताया कि आने वाले समय में फ्रांस ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कुछ नए प्रयोग करने के लिए अग्रसर है। इसमें हमारी कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा भारतीय विद्यार्थी हमारे साथ जुड़े सकें। भारतीय युवा अपने कौशल के दम पर अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं। वैश्वीकरण में अवसर तो हर क्षेत्र में मौजूद है। मगर, इन्हें सही तरीके से युवाओं तक पहुँचाए जाने की जरूरत है।